वर्ष-2023

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
हिंदी	4 0 1	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

उत्तर पुस्तिका का क्रमांक **B-23**

म.शि.मं.म.प्र.भोपाल.माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

1	3	3	5	3	1	8	6	4	—

शब्दों में

एक	तीन	तीन	पांच	तीन	एक	आठ	छः	चार	—

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र. 2 4 3 8 5 ...मण्डल,म.प्र.भोपाल

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रश्न पत्र का सेट A

क :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 03

ख :- परीक्षा का दिनांक 01 | 03 | 2023

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हाई स्कूल सर्टीफिकेट परीक्षा

परीक्षा केन्द्र क्रमांक-351040

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Prasad	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रमाणित किया जाता है कि होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के ... लगाएं।

उप मुख्य पर... एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
R... 90 R.N.3 .5038149	**N.K. SIHORE** **R.N.-9307**

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की ... करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

Oddy

99.1mm x 33.9mm x 16

Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 1

(i) अ) भूषण ।

(ii) (स) विनय पत्रिका ।

(iii) (द) वात्सल्य ।

(iv) (द) कबीर ।

(v) (ब) रीतिवाचक ।

(vi) (स) प्रभुत का ।

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 2

(i) वल्लभाचार्य ।

(ii) 16 ।

(iii) 2 ।

(iv) मोतीलाल ।

(v) 3 ।

(vi) कंचनजंघा ।

N.K. SINGH
R.N.-9307

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 3

'क'		'ख'
(i) कामायनी	-	(स) जयशंकर प्रसाद
मानवी क्रिया का आरोप	-	(द) मानवीकरण
गद्य की प्रमुख विधाएँ	-	(इ) निबंध
लखनवी अंदाज	-	(अ) यशपाल
(v) अंधे की लाठी	-	(ई) एकमात्र सहारा
(vi) मैं क्यों लिखता हूँ	-	(ब) अज्ञेय

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 4

(i) कवि निराला ने बादल को बालक की कल्पनाओं से तुलना किया है।

(ii) रस के चार अंग होते हैं - (i) स्थायी भाव (ii) विभाव (iii) अनुभाव (iv) संचारी भाव ।

गद्य की तीन गौण विधाएँ - (i) रेखाचित्र (ii) संस्मरण (iii) यात्रा - वृत्तांत ।

(iv) समास के छः भेद होते हैं ।

(v) वस्तु की मांग अधिक और आपूर्ति कम ।

(vi) भोलानाथ के पिताजी गंगा में आटे की 500 गोलियां प्रवाहित करते थे ।

BSE

योग पूर्व पृष्ठ

BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 5

(i) सत्य ।

(ii) असत्य ।

(iii) सत्य ।

(iv) सत्य ।

(v) असत्य ।

(vi) असत्य ।

BSE

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 6 (अथवा)

→ रीतिकाल की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं -

(i) आचार्यत्व प्रदर्शन की प्रवृत्ति → आचार्यत्व प्रदर्शन की प्रवृत्ति रीतिकाल की प्रमुख विशेषता है। रीतिकाल के कवि पहले आचार्य थे और कवि बाद में ।

(ii) शृंगार-प्रियता → यह इस काल की दूसरी प्रमुख विशेषता है, इस काल के कवियों का शृंगार वर्णन अश्लील कोटि तक पहुंच गया है।

→ उदाहरण - " काम झूलै उर में, उरोजनि में दाम झूलै।
श्याम झूलैं प्यारी की, अनियारी अंखियन में ॥"

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 5 के अंक कुल अंक
प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक -7

सूरदास

(i) दो रचनाएँ - (i) सूरसागर (ii) सूरसारावली ।

(ii) भाव पक्ष :-

(i) भक्ति भाव - सूरदास जी के आराध्य श्रीकृष्ण हैं। उनके हृदयस्थ भावों की अभिव्यक्ति बाल-लीलाओं प्रेम-लीलाओं आदि में व्यापक रूप में हुई है।

(ii) हृदयता और भावुकता - सूर के पदों में मानव मन के भावों की यथार्थता तथा मार्मिकता स्पष्ट परिलक्षित होती है।

प्रश्नोत्तर क्रमांक -8 (अथवा)

→ परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष टूट जाने के लिए निम्नलिखित तर्क दिए -
हमने बचपन में कई धनुहियाँ तोड़ी हैं, लेकिन आपने कभी इस प्रकार क्रोध नहीं किया।

(i) इस धनुष पर आपकी इतनी ममता क्यों है ? इस पुराने धनुष को तोड़ने से क्या लाभ और क्या हानि है।

(ii) श्रीराम तो इसे नया समझ रहे थे, उनके छूते ही यह धनुष टूट गया इसमें उनका कोई दोष नहीं है।

प्रश्नोत्तर क्रमांक-9 (अथवा)

→ संगतकार के माध्यम से कवि मानवता के क्षेत्र में लगे व्यक्तियों जो अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए नुष्यता दिखाते हुए अपने सहयोगी साथी को ऊँचा उठाने की कोशिश करते हैं।

प्रश्नोत्तर क्रमांक-10 (अथवा)

→ श्रृंगाररस - श्रृंगार रस का स्थाई भाव रति है। सहृदय के हृदय में जब रति नाम स्थाई भाव, विभाव आदि से ष्ट होने पर श्रृंगार रस की उत्पत्ति होती है। इसे गार रस कहते हैं।

→ उदाहरण - बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाय।
सौंह करै भौंहनि हसै, देन कहै नटि जाय॥

प्रश्नोत्तर क्रमांक-11

→ चौ छंद - चौपाई छंद एक सम मात्रिक छंद है, इसमें रण होते हैं, इनके प्रत्येक चरण में 16-16 मात्राएँ ी हैं।

उदाहरण -

→ रघुकुल रीति सदा चल आई। = 16 मात्राएँ

प्राण जाय पर वचन न जाई॥ = 16 मात्राएँ।

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 12

→ कहानी और उपन्यास में अंतर -

	कहानी	उपन्यास
(i)	कहानी में बहुत विस्तृत विश्लेषण नहीं होता है।	उपन्यास में बहुत विस्तृत विश्लेषण होता है।
(ii)	कहानी में मनुष्य के चरित्र का एक अंग दिखाया जाता है।	उपन्यास में मनुष्य के संपूर्ण चरित्र का वर्णन होता है।
	उदाहरण - सूरज कब निकलेगा, आएँगे अच्छे दिन भी कहानी संग्रह है जिसके कहानीकार लेखक स्वयंप्रकाश जी हैं।	उदाहरण - उपन्यास सम्राट प्रेमचंद द्वारा रचित उपन्यास - बाबन, गोदान आदि।

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 13 (अथवा)

मन्नू भंडारी

→ (i) दो रचनाएँ - (1) एक प्लेट सैलाब (2) मैं हार गई।

(ii) भाषा - मन्नू भंडारी जी की भाषा सरल, सरस, एवं स्वाभाविक है। इन्होंने अपनी रचनाओं में तत्सम, अंग्रेजी तथा विदेशी शब्दों के साथ-साथ मुहावरों का भी प्रयोग किया है।

मध्यप्रदेश
BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

शैली - लेखिका मन्नू भंडारी जी ने अपनी रचनाओं में वर्णनात्मक तथा चित्रात्मक शैली का प्रयोग किया है, समय के अनुकूल इन्होंने भावात्मक शैली का प्रयोग किया है।

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 14

सेनानी न होते हुए भी कैप्टन चश्मेवाले के हृदय में देशभक्ति की भावना तथा नेताजी सुभाषचंद्र बोस की मूर्ति के प्रति अटूट सम्मान, आस्था भरा हुआ था। कैप्टन सिर पर गांधी टोपी और काला चश्मा पहनता था।

B
S
E

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 15 (अथवा)

जो व्यक्ति अपनी दिमाग का प्रयोग करके किसी नई वस्तु की खोज करता है वही वास्तविक अर्थों में संस्कृत व्यक्ति कहा जाता है। अविष्कृत वस्तु अविष्कारक की पीढ़ी को अनायास ही प्राप्त हो जाता है वह सभ्य भले ही बन जाए पर संस्कृत व्यक्ति नहीं कहला सकता।

उदाहरण - न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत की खोज की अतः न्यूटन एक संस्कृत व्यक्ति कहलाएगें।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 16 (अथवा)

शब्द	समास विग्रह	समास का नाम
[illegible]वटी	पांच वटों का समूह	द्विगु समास
(ii) नीलाम्बर	नीला है जो अंबर	कर्मधारय

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 17

→ भोलानाथ और उसके साथियों के खेल खेलने की सामग्री में फुटबॉल, हॉकी, नाटक आदि होते थे, उनसे उनका मनोरंजन होता था। हमारे खेल खेलने की सामग्रियों में मोबाइल गेम, लूडो, चेस, कैरम आदि खेल शामिल हैं जिनसे हमारा मनोरंजन होता है।

"इस प्रकार भोलानाथ और उसके साथियों के खेल खेलने की सामग्री हमारी खेल खेलने की सामग्री से भिन्न है।"

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 18

→ संकेत - हमारे हरि
- - - - - - - - - - - - - - - मन चकरी।

→ संदर्भ - प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग - 2 में संकलित पाठ "पद" से लिया गया है, इसके रचयिता वात्सल्य रस के सम्राट "सूरदास" जी हैं।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

→ प्रसंग- इन पंक्तियों में गोपियों का अनन्य प्रेम प्रकट हुआ है गोपियों ने कृष्ण को हारिल पक्षी की लकड़ी के समान माना है।

→ व्याख्या - गोपियां उद्धव जी से कहती हैं कि कृष्ण तो हमारे लिए हारिल पक्षी की लकड़ी के समान हैं, जिस हारिल पक्षी उठते-बैठते, चलते-फिरते लकड़ी का तिनका अपने पंजों में लिए रहता है, उसी प्रकार हमने भी नंद बाबा के बेटे श्रीकृष्ण को मन-क्रम-वचन से पकड़ लिया है। हम तो जागते-सोते, स्वप्न में, रात में दिन में कृष्ण की रट लगाए रहती हैं। अब तुम्हारे द्वारा योग ज्ञान के संदेश को सुनकर ऐसा लगता है मानो हमने कोई ककड़ी तो नहीं खाली है। आप हमारे लिए ऐसा रोग लेकर आए हो जिसको हमने न कभी सुना है, न देखा है और न हि उपभोग किया है।

सूरदास लिखते हैं गोपियां कहती हैं कि ये योग ज्ञान का संदेश उद्धव तुम ऐसे लोगों को जाकर सौंपो जिनका मन चकरी के समान चलायमान हो।

→ काव्य सौंदर्य - (i) गोपियों ने श्रीकृष्ण को हारिल पक्षी की लकड़ी के समान माना है।
(ii) कान्ह-कान्ह में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है।
(iii) संपूर्ण पद में अनुप्रास की छटा विद्यमान है।
(iv) अवधी भाषा का प्रयोग है।
(v) पद में गेयता एवं श्रृंगारिकता की प्रधानता है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 19

→ संकेत- मूर्ति संगमरमर

--- ---- -- -- -- ---.... प्रयास था।

→ संदर्भ- प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग-2 में संकलित कहानी "नेताजी का चश्मा" से लिया गया है।

→ प्रसंग- प्रस्तुत पंक्तियों में लेखक स्वयंप्रकाश जी ने नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की मूर्ति के विषय में बतलाया है।

→ व्याख्या- नगर के प्रशासननिक अधिकारी द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति नगर के मुख्य चौराहे पर लगवाई गई थी। यह मूर्ति संग-मरमर की थी। नेताजी की मूर्ति में पहनी हुई टोपी के एक सिरे की नोक से उनके द्वारा पहनी हुई कोट के दूसरे बटन तक दो फुट की ऊँचाई पर थी जिसे बस्ट कहते हैं, उनकी संगमरमर से बनी मूर्ति बहुत ही सुंदर थी। उनकी मूर्ति को देखने पर मूर्ति मासूम लग रही थी। नेताजी की मूर्ति फौजी वर्दी में थे, उनकी मूर्ति को देखते ही उनके नारे "तुम मुझे खून दो, दिल्ली चलो" याद आने लगते थे। लोगों में जागरूकता और देश-भक्ति की भावना जाग्रत करने के लिए नगर के अधिकारियों का यह सफल और अच्छा प्रयास था।

→ विशेष- (i) भाषा सरल, सरस तथा स्वाभाविक है।
(ii) अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग है।
(iii) भावात्मक शैली का प्रयोग है।

www.oddyindia.com
EDUCATION MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 20

मीठी बोली का महत्व

संकेत बिंदु- (i) मीठी बोली क्या है। (ii) मीठी बोली का महत्व (iii) मीठी बोली की आवश्यकता।

→ मीठी बोली शाब्दिक अर्थ है मृदु वाणी। मृदु वाणी अर्थात् कोमलता का प्रयोग करके बोलना या कहना।

B

मीठी बोली का जीवन में बहुत विशेष महत्व होता है मीठी बोली के प्रयोग से संसार के हर क्षेत्र में ~~सफल~~ सफलता पाई जा सकती है। मीठी वाणी के प्रयोग से मित्रता का व्यवहार किया जाता है और कटु वाणी के कारण शत्रुता का प्रयोग किया जाता है।

संत कबीरदास जी ने भी कहा है-

→ " ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को शीतल करे, आप हुँ शीतल होय।।"

अर्थात् हमें हमेशा मीठी वाणी का प्रयोग करना ~~चाहिए~~ चाहिए जो मन को मोह ले और जो अपने को भी अच्छा लगे और दूसरों को भी अच्छा लगे।

→ मीठी वाणी की जीवन को महत्वपूर्ण आवश्यकता है इससे मनुष्य पूरे संसार में व्यक्तियों से पहचान बना लेता है और प्रसिद्धि प्राप्त करता है।

" अतः" मीठी बोली का जीवन में विशेष महत्व है।"

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 21

(i) गद्यांश का शीर्षक "लक्ष्य की प्राप्ति" है

(ii) लक्ष्य की प्राप्ति में अनेक प्रयास करने पर अगर असफलता मिलती है तो मन में निराशा का भाव जाग्रत होने लगता है।

(iii) विपरीत परिस्थितियों में भी लक्ष्य प्राप्ति में सक्षम होनेके लिए मन में आशा का भाव बनाए रखना चाहिए।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक -22 (अथवा)

अपने मित्र को अपने भाई की शादी में सम्मिलित होने के लिए पत्र

गांधी चौक 046576,
गोल बाजार सीधी,
मध्यप्रदेश,

B S E

प्रिय मित्र याचिका,
सप्रेम नमस्ते, मैं यहां कुशल हूं, आशा है कि तुम भी वहां कुशल होगी। मुझे बताते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है कि मेरे बड़े भाई की शादी 2 मई 2023 को वैष्णवी पैलेस सीधी में संपन्न होगी। तुम मेरे घर चार दिन पहले से आजाना हम सब मस्ती करेंगे। मुझे आशा है कि तुम जल्द आओगी।
अपने साथ अपने छोटे भाई बहन को भी जरूर लाना।

अपने माता-पिता को मेरा सप्रेम नमस्कार कहना।

(धन्यवाद)

तुम्हारी प्रिय मित्र
कीर्ति
दिनांक - 1 मार्च 2023
ग्राम देवरी, जिला सीधी

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक - 23

पर्यावरण प्रदूषण

रूपरेखा :- (i) प्रस्तावना (ii) प्रदूषण का अर्थ (iii) प्रदूषण के प्रकार (iv) प्रदूषण के दुष्प्रभाव (v) प्रदूषण की रोकथाम (vi) उपसंहार

{ नहीं मिलेगा जीवन दोबारा
प्रदूषण मुक्त हो पर्यावरण हमारा }

(i) प्रस्तावना - मनुष्य ने वैज्ञानिक प्रगतियों के नाम पर प्रकृति का दोहन किया है। प्रदूषण के रूप में प्रकृति का प्रकोप दिखाई दे रहा है। मानव ने प्रगति के चक्कर में पूरे पर्यावरण को दूषित कर दिया है। आजकल हमारा पर्यावरण लगातार दूषित होता जा रहा है।

(ii) प्रदूषण का अर्थ - पर्यावरण में दूषक पदार्थों के प्रवेश के प्राकृतिक संतुलन में पैदा होने वाले दोष को प्रदूषण कहते हैं। मिट्टी, हवा, पानी आदि में अवांछित कणों का मिलना ही पर्यावरण प्रदूषण है।

(iii) प्रदूषण के प्रकार - मुख्य रूप से प्रदूषण के चार प्रकार हैं (i) वायु प्रदूषण (ii) जल प्रदूषण (iii) मृदा प्रदूषण (iv) ध्वनि प्रदूषण।

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(i) वायु प्रदूषण - कारखानों तथा औद्योगिक फैक्ट्रियों से निकलने वाले धुँए से वायु प्रदूषण होता है, वायु के प्रदूषण के कारण फेफड़ों संबंधित बीमारियाँ उच्च बीमारियां कैंसरजैसी भयानक बीमारियों से लोग ग्रसित हो रहें हैं।

(ii) जल प्रदूषण - नदियों नालों में कचरा प्रवाहित करने के कारण जल प्रदूषण होता है। जल प्रदूषण के कारण मनुष्य के साथ अन्य प्राणियों के जीवन को खतरा है।

(iii) मृदा प्रदूषण - उर्वरकों रसायनों के प्रयोग से मृदा का प्रदूषण होता हैं, यह मृदा की उर्वरकता पर निर्भर करता है। यह भोजन के माध्यम से नागरिकों के शरीर में बीमारियां उत्पन्न करता है।

(iv) ध्वनि प्रदूषण - आजकल वाहनों तथा मशीनों के शोर के कारण वातावरण ध्वनि से भरा रहता है। ध्वनि प्रदूषण के कारण उच्च रक्तचाप, उत्तेजना कानों में न सुनाई देना इन सब बीमारियों से ग्रसित हो रहें हैं।

(v) प्रदूषण के दुष्प्रभाव - मानव द्वारा पर्यावरण को दूषित किये जाने के कारण पर्यावरण के अनेक दुष्प्रभाव हुए हैं -

(i) ओजोन परत का क्षरण होना।

(ii) वायुमण्डल में दूषक पदार्थों का उपस्थित होना।

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

(iii) वृक्षों के कटाव से ऑक्सीजन में कमी होना।
(iv) धरती पर ऊष्णता की वृद्धि होना।

(v) प्रदूषण की रोकथाम - बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए निम्नलिखित उपाय करने चाहिए;
(i) सड़क के किनारों पर वृक्ष लगाए जाने चाहिए।
(ii) फैक्ट्रियों को आबादी से दूर रखना चाहिए।
(iii) गाड़ियों के उपयोग को कम किया जाना चाहिए।
(iv) बढ़ती हुई आबादी को कम करना होगा।

(vi) उपसंहार - हमें पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए लोगों में जागरूकता फैलानी होगी, एक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य निभाना होगा। प्रदूषण को कम करने के लिए सरकार के नियमों का पालन करना ~~होगी~~ होगा।

→ { जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य निभाएं।
पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाएं॥ }